Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) ____________
   (Name) ____________
2. (Signature) ____________
   (Name) ____________

OMR Sheet No. : ....
(To be filled by the Candidate)

Roll No. | | | | | | | | |
(In figures as per admission card)

Roll No. ____________
(In words)

N 0 0 3 1 7

PAPER - II
PHILOSOPHY

Time : 1¼ hours] **[Maximum Marks : 100**

Number of Pages in this Booklet : **24** Number of Questions in this Booklet : **50**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. This paper consists of fifty multiple-choice type of questions.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
   (iii) After this verification is over, the Test Booklet Number should be entered on the OMR Sheet and the OMR Sheet Number should be entered on this Test Booklet.
4. Each item has four alternative responses marked (1), (2), (3) and (4). You have to darken the circle as indicated below on the correct response against each item.
   Example : ① ② ● ④ where (3) is the correct response.
5. Your responses to the items are to be indicated in the **OMR Sheet given inside the Booklet only.** If you mark your response at any place other than in the circle in the OMR Sheet, it will not be evaluated.
6. Read instructions given inside carefully.
7. Rough Work is to be done in the end of this booklet.
8. If you write your Name, Roll Number, Phone Number or put any mark on any part of the OMR Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, or use abusive language or employ any other unfair means, such as change of response by scratching or using white fluid, you will render yourself liable to disqualification.
9. You have to return the original OMR Sheet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall. You are however, allowed to carry original question booklet and duplicate copy of OMR Sheet on conclusion of examination.
10. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
11. **Use of any calculator or log table etc., is prohibited.**
12. **There are no negative marks for incorrect answers.**
13. In case of any discrepancy in the English and Hindi versions, English version will be taken as final.

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. इस पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए।
2. इस प्रश्न-पत्र में पचास बहुविकल्पीय प्रश्न हैं।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी। पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे, जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए पुस्तिका पर लगी कागज की सील को फाड़ लें। खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं। दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात् किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें। इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे। उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा।**
   (iii) इस जाँच के बाद प्रश्न-पुस्तिका का नंबर OMR पत्रक पर अंकित करें और OMR पत्रक का नंबर इस प्रश्न-पुस्तिका पर अंकित कर दें।
4. प्रत्येक प्रश्न के लिए चार उत्तर विकल्प (1), (2), (3) तथा (4) दिये गये हैं। आपको सही उत्तर के वृत्त को पेन से भरकर काला करना है जैसा कि नीचे दिखाया गया है।
   उदाहरण : ① ② ● ④ जबकि (3) सही उत्तर है।
5. प्रश्नों के उत्तर **केवल प्रश्न पुस्तिका के अन्दर दिये गये OMR पत्रक पर ही** अंकित करने हैं। यदि आप OMR पत्रक पर दिये गये वृत्त के अलावा किसी अन्य स्थान पर उत्तर चिह्नांकित करते हैं, तो उसका मूल्यांकन नहीं होगा।
6. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
7. कच्चा काम (Rough Work) इस पुस्तिका के अन्तिम पृष्ठ पर करें।
8. यदि आप OMR पत्रक पर नियत स्थान के अलावा अपना नाम, रोल नम्बर, फोन नम्बर या कोई भी ऐसा चिह्न जिससे आपकी पहचान हो सके, अंकित करते हैं अथवा अभद्र भाषा का प्रयोग करते हैं, या कोई अन्य अनुचित साधन का प्रयोग करते हैं, जैसे कि अंकित किये गये उत्तर को मिटाना या सफेद स्याही से बदलना तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित किये जा सकते हैं।
9. आपको परीक्षा समाप्त होने पर मूल OMR पत्रक निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और परीक्षा समाप्ति के बाद उसे अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें। हालांकि आप परीक्षा समाप्ति पर मूल प्रश्न-पुस्तिका तथा OMR पत्रक की डुप्लीकेट प्रति अपने साथ ले जा सकते हैं।
10. **केवल नीले/काले बाल प्वाईंट पेन का ही प्रयोग करें।**
11. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है।**
12. **गलत उत्तरों के लिए कोई नकारात्मक अंक नहीं हैं।**
13. यदि अंग्रेजी या हिंदी विवरण में कोई विसंगति हो, तो अंग्रेजी विवरण अंतिम माना जाएगा।

PHILOSOPHY
PAPER - II

Note : This paper contains **fifty (50)** objective type questions of **two (2)** marks each. **All** questions are **compulsory**.

1. One may be free from *devarṇa* by :
   (1) *Observing brahmac' arya* (2) Performing *yajña*
   (3) Uttering *mantras* (4) Giving birth to a child

2. The movement of the heavenly bodies according to the vedic tradition is guided by :
   (1) The will of the gods (2) *Ṛta*, the cosmic law
   (3) The moral virtues of the people (4) *Prajāpati*

3. Match the **Set-I** with **Set-II** and select the correct code :

	Set - I		**Set - II**
(a)	*Ṛk*	(i)	*Udgātā*
(b)	*Sāma*	(ii)	*Hota*
(c)	*Yajuḥ*	(iii)	*Adhvaryu*
(d)	*Atharva*	(iv)	*Brahṁā*

Code :

	(a)	**(b)**	**(c)**	**(d)**
(1)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(2)	(ii)	(i)	(iii)	(iv)
(3)	(i)	(iii)	(ii)	(iv)
(4)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)

4. The absence of horseness in cow according to the *Vaiśeṣikas* is known as :
   (1) *Anyonyābhāva* (2) *Prāgabhāva*
   (3) *Dhvaṁsābhāva* (4) *Atyantābhāva*

5. There are two types of *Bandhana* of the soul : *Bhāvabandhana* and *dravyabandhana.* This view is held by :
   (1) *Cārvāka* (2) Jaina (3) *Sāṁkhya* (4) *Mīmāṁsā*

6. Which one among the following is **not** acceptable to the Vaiśeṣikas ?
   (1) *Veda* is created by none
   (2) *Tattvajñāna* is not the sufficient condition for *niḥśreyasa*
   (3) *Abhāva* can be perceived
   (4) *Īśvara* is a type of ātmā

दर्शनशास्त्र

प्रश्नपत्र – II

निर्देश : इस प्रश्नपत्र में **पचास (50)** बहु–विकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के **दो (2)** अंक हैं। **सभी** प्रश्न **अनिवार्य** हैं।

1. व्यक्ति देवऋण से मुक्त हो सकता है :
   (1) ब्रह्मचर्य का पालन करके
   (2) यज्ञ करके
   (3) मंत्रोच्चारण करके
   (4) संतान को जन्म देकर

2. वैदिक परम्परा के अनुसार खगोलीय पिंडों की गति निर्देशित होती है :
   (1) ईश्वर की इच्छा से
   (2) *ऋत,* ब्रह्माण्डीय नियम से
   (3) लोगों के नैतिक सद्‌गुणों से
   (4) प्रजापति से

3. **सूची** - **I** के साथ **सूची** - **II** को सुमेलित कीजिए और सही कूट चुनिए :

	सूची - I		**सूची - II**
(a)	*ऋक्*	(i)	*उद्‌गाता*
(b)	*साम*	(ii)	*होता*
(c)	*यजुः*	(iii)	*अध्वर्यु*
(d)	*अथर्व*	(iv)	*ब्रह्मा*

कूट :

	(a)	**(b)**	**(c)**	**(d)**
(1)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(2)	(ii)	(i)	(iii)	(iv)
(3)	(i)	(iii)	(ii)	(iv)
(4)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)

4. वैशेषिक के अनुसार गाय में अश्वत्व के अभाव को जाना जाता है :
   (1) *अन्योन्याभाव*
   (2) *प्रागभाव*
   (3) *ध्वंसाभाव*
   (4) *अत्यन्ताभाव*

5. आत्मा के बंधन दो प्रकार के होते हैं : भावबन्धन और द्रव्यबन्धन – यह विचार है :
   (1) चार्वाक का
   (2) जैन का
   (3) सांख्य का
   (4) मीमांसा का

6. निम्नलिखित में से कौन वैशेषिकों को स्वीकार्य **नहीं** है ?
   (1) *वेद की* रचना किसी के द्वारा नहीं की गई है।
   (2) *तत्त्वज्ञान निःश्रेयस्* के लिए पर्याप्त शर्त नहीं है।
   (3) *अभाव* का प्रत्यक्ष हो सकता है।
   (4) *ईश्वर* एक प्रकार की *आत्मा* है।

7. Which one among the following codes is acceptable to the *cārvākas* ? Answer considering (a), (b), (c), (d) ?

(a) *Kṣti* and *Kāma* (b) *Artha* and *Puṇya*

(c) *Sukha and Artha* (d) *Marut* and *Vyoma*

Code :

(1) (a) and (b) (2) (a) and (c) (3) (a) and (d) (4) (b) and (c)

8. Select the **correct** sequence with reference to *apavarga* in Nyāya :

(1) *duḥkha, pravṛtti, doṣa, janma, mithyājñāna*

(2) *mithyājñāna, doṣa, pravṛtti, janma, duḥkha*

(3) *janma, duḥkha, pravṛtti, doṣa, mithyājñāna*

(4) *janma, duḥkha, mithyājñāna, pravṛtti, doṣa*

9. Which one among the following is not an *avayava* of *pañcāvayavīnyāya* according to the *Naiyāyikas* ?

(1) *Udāharaṇa* (2) *Upanaya* (3) *Upamāna* (4) *Nigamana*

10. Which one among the following is not a condition of *Vākyārtha* (sentential meaning) *jñāna* according to the *Naiyāyikas* ?

(1) *Vyākaraṇa* (2) *Tātparya* (3) *Ākāṅkṣa* (4) *Āsatti*

11. Which type of *hetvābhāsa* is committed by the following *anumāna* ? Select the **correct** code :

'Parvataḥ vahnimān nīladhūmāt'

(1) *Sādhāraṇa Savyabhicāra* (2) *Svarūpāsiddha*

(3) *Vyāpyatvāsiddha* (4) *Bādhita*

12. According to the Naiyāyikas 'padasákti' is :

(1) An additional *padārtha*

(2) An eternal *padārtha*

(3) A relation between two *padas*

(4) A relation between a *pada* and a *padārtha* that stands for it

13. Which of the following statements is **not** true with regard to *Pātanjala Yoga* ?

(1) God is one among *Puruṣas*

(2) *Pātanjala Yoga* admits three *pramāṇas*

(3) *Pātanjala Yoga* advocates Monism

(4) *Pātanjala Yoga* admits prior moral training

7. निम्नलिखित कूट में से कौन सा एक चार्वाकों को स्वीकार्य है ? (a), (b), (c), (d) पर विचार करते हुए उत्तर दीजिए।

(a) *क्षिति और काम* (b) *अर्थ और पुण्य*

(c) *सुख और अर्थ* (d) *मरुत और व्योम*

कूट :

(1) (a) और (b) (2) (a) और (c) (3) (a) और (d) (4) (b) और (c)

8. न्याय में *अपवर्ग* के संदर्भ में सही क्रम का चयन कीजिए :

(1) *दु:ख, प्रवृत्ति, दोष, जन्म, मिथ्याज्ञान* (2) *मिथ्याज्ञान, दोष, प्रवृत्ति, जन्म, दु:ख*

(3) *जन्म, दु:ख, प्रवृत्ति, दोष, मिथ्याज्ञान* (4) *जन्म, दु:ख, मिथ्याज्ञान, प्रवृत्ति, दोष*

9. नैयायिकों के अनुसार निम्नलिखित में से कौन *पंचावयवीन्याय* का अवयव **नहीं** है ?

(1) *उदाहरण* (2) *उपनय* (3) *उपमान* (4) *निगमन*

10. नैयायिकों के अनुसार निम्नलिखित में से कौन *वाक्यार्थ ज्ञान* की शर्त **नहीं** है ?

(1) *व्याकरण* (2) *तात्पर्य* (3) *आकांक्षा* (4) *आसत्ति*

11. निम्नलिखित *अनुमान* में किस प्रकार का हेत्वाभास है ? **सही** कूट चुनिए।

'*पर्वत: वह्निमान नीलधूमात्*'

(1) *साधारण सव्यभिचार* (2) *स्वरुपासिद्ध*

(3) *व्याप्यत्वासिद्ध* (4) *बाधित*

12. नैयायिकों के अनुसार '*पदशक्ति*' है :

(1) एक अतिरिक्त *पदार्थ* है। (2) एक शाश्वत *पदार्थ* है।

(3) दो *पदों* के बीच संबंध है। (4) *पद* और प्रयुज्य *प्रदार्थ* के बीच का संबंध है।

13. निम्नलिखित कथनों में से कौन *पातंजल योग* के संबंध में सही **नहीं** है ?

(1) ईश्वर *पुरुषों* में एक है।

(2) *पातंजल योग* तीन *प्रमाणों* को स्वीकार करता है।

(3) *पातंजल योग* एकतत्त्ववाद का समर्थन करता है।

(4) *पातंजल योग* पूर्व नैतिक प्रशिक्षण स्वीकार करता है।

14. ‘‘The silver that appears in a shell cannot be unreal because it appears ; that silver cannot also be real because it is found to be not there when we see the shell properly’’. This is the view of :

(1) Rāmānuja (2) Īśwarakṛisṇa (3) Śaṁkara (4) Nāgārjuna

15. Match **List - I** and **List - II** and choose the correct answer with the help of the code given below :

	List - I		**List - II**
(a)	*Jivanmukti*	(i)	Nyāya - Vaiśeṣikas
(b)	*Videhamukti*	(ii)	Early Mīmāṁsakas
(c)	*Niḥśreyasah*	(iii)	Śaṁkara
(d)	*Svarga*	(iv)	Madhva

Code :

	(a)	**(b)**	**(c)**	**(d)**
(1)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(2)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)
(3)	(ii)	(i)	(iii)	(iv)
(4)	(i)	(ii)	(iv)	(iii)

16. Given below are **Assertion (A)** and **Reason (R)**. Consider them and select the correct code given below, in the context of Śaṁkara’s Philosophy :

Assertion (A) : Śaṁkara’s philosophy denies the world outright

Reason (R) : The fact is that there is a real external world

Code :

(1) **(A)** and **(R)** are both true and **(R)** is the correct explanation of **(A)**

(2) **(A)** and **(R)** are both true and **(R)** is not the correct explanation of **(A)**

(3) **(A)** is false and **(R)** is true

(4) **(A)** is true and **(R)** is false

17. The correct sequence of evolution according to *Sāṁkhya* is :

(1) *Ahaṁkāra, manas, karmendriyas, Jñānendriyas, mahat*

(2) *Jñānendriyas, manas, karmendriyas, ahaṁkāra, mahat*

(3) *Karmendriyas, Jñānendriyas, manas, mahat, ahaṁkāra*

(4) *Mahat, ahaṁkāra, manas, Jñānendriyas, karmendriyas*

18. *Prakṛti* in Sāṁkhya philosophy is :

(1) Unconscious and dependent (2) Conscious and passive

(3) Unconscious and active (4) Conscious and independent

14. ''चाँदी जो सीपी में दिखाई पड़ती है अवास्तविक नहीं हो सकती क्योंकि यह दिखाई पड़ती है; चाँदी वास्तविक भी नहीं हो सकती है क्योंकि जब हम सीपी को ठीक से देखते हैं तो यह वहाँ नहीं मिलती है''। यह विचार है :

(1) रामानुज का (2) ईश्वरकृष्ण का (3) शंकर का (4) नागार्जुन का

15. **सूची** - **I** और **सूची** - **II** को सुमेलित कीजिए और नीचे दिए गए कूट की सहायता से सही उत्तर दीजिए।

सूची - I	**सूची - II**
(a) *जीवन्मुक्ति*	(i) न्याय-वैशेषिक
(b) *विदेहमुक्ति*	(ii) पूर्व मीमांसक
(c) *निःश्रेयसः*	(iii) शंकर
(d) *स्वर्ग*	(iv) मध्व

कूट :

	(a)	**(b)**	**(c)**	**(d)**
(1)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(2)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)
(3)	(ii)	(i)	(iii)	(iv)
(4)	(i)	(ii)	(iv)	(iii)

16. नीचे **अभिकथन (A)** और **तर्क (R)** दिए गए हैं। उन पर विचार कीजिए और शंकर के दर्शन के संदर्भ में नीचे दिए गए सही कूट का चयन कीजिए।

अभिकथन (A) : शंकर का दर्शन जगत को पूर्णतया अस्वीकार करता है।

तर्क (R) : तथ्य यह है कि एक वास्तविक बाह्य जगत है।

कूट :

(1) **(A)** और **(R)** दोनों सही हैं और **(R), (A)** की सही व्याख्या है।

(2) **(A)** और **(R)** दोनों सही हैं और **(R), (A)** की सही व्याख्या नहीं है।

(3) **(A)** गलत है और **(R)** सही है।

(4) **(A)** सही है और **(R)** गलत है।

17. सांख्य के अनुसार विकास का सही क्रम है :

(1) *अहंकार, मनस्, कर्मेन्द्रियाँ, ज्ञानेन्द्रियाँ, महत्*

(2) *ज्ञानेन्द्रियाँ, मनस्, कर्मेन्द्रियाँ, अहंकार, महत्*

(3) *कर्मेन्द्रियाँ, ज्ञानेन्द्रियाँ, मनस्, महत्, अहंकार*

(4) *महत्, अहंकार, मनस्, ज्ञानेन्द्रियाँ, कर्मेन्द्रियाँ*

18. सांख्य दर्शन में *प्रकृति* :

(1) अचेतन और आश्रित है (2) चेतन और निष्क्रिय है

(3) अचेतन और सक्रिय है (4) चेतन और स्वतंत्र है

19. In *Mīmāṁsā* philosophy, all the following propositions are true *except* :

(1) *Mīmāṁsā* upholds the theory of *Svataḥ prāmāṇyavāda*

(2) Self is considered as active

(3) *Vedas* are *apauruṣeya*

(4) The perceptual error in case of shell-silver illusion is because of *adhyāsa*

20. Given below are **Assertion (A)** and a **Reason (R)**. Consider them and select the correct code in the context of Buddhism :

Assertion (A) : *Nirvāṇa* is momentary

Reason (R) : *Sarvam Kṣaṇikaṁ Kṣaṇikaṁ*

Code :

(1) Both **(A)** and **(R)** are true and **(R)** is the correct explanation of **(A)**

(2) Both **(A)** and **(R)** are true and **(R)** is not the correct explanation of **(A)**

(3) **(A)** is true and **(R)** is false

(4) **(A)** is false and **(R)** is true

21. Match **List - I** with **List - II** and choose the **correct** answer with the help of code given below :

	List - I (Writer)		**List - II (Writing)**
(a)	Sri Aurobindo	(i)	*Freedom from the known*
(b)	J. Krishnamurti	(ii)	*The Recovery of Faith*
(c)	K.C. Bhattacharya	(iii)	*Studies in Vedantism*
(d)	S. Radhakrishnan	(iv)	*Savitri, a Legend and a symbol*

Code :

	(a)	**(b)**	**(c)**	**(d)**
(1)	(i)	(ii)	(iv)	(iii)
(2)	(iv)	(i)	(iii)	(ii)
(3)	(ii)	(iv)	(i)	(iii)
(4)	(iii)	(i)	(ii)	(iv)

22. Which among the following is **not** correctly matched with Sri Aurobindo's concept of three poises of Supermental consciousness ?

(1) Comprehending consciousness

(2) Apprehending consciousness

(3) Analytical consciousness

(4) Projecting consciousness

19. *मीमांसा*–दर्शन में निम्नलिखित तर्क वाक्यों में कौन सही **नहीं** है?

(1) *मीमांसा, स्वत: प्रामाण्यवाद* का समर्थन करता है।

(2) आत्मा सक्रिय है।

(3) वेद *अपौरुषेय हैं।*

(4) सीप–चांदी भ्रम में प्रत्यक्षपरक त्रुटि *अध्यास* के कारण है।

20. नीचे **अभिकथन** (A) और **तर्क** (R) दिए गए हैं। उन पर विचार कीजिए और बौद्धमत के संदर्भ में सही कूट चुनिए :

अभिकथन (A) : *निर्वाण* क्षणिक है।

तर्क (R) : सर्वं क्षणिकं क्षणिकम्

कूट :

(1) **(A)** और **(R)** दोनों सही हैं और **(R)**, **(A)** की सही व्याख्या है।

(2) **(A)** और **(R)** दोनों सही हैं और **(R), (A)** की सही व्याख्या नहीं है।

(3) **(A)** सही है और **(R)** गलत है।

(4) **(A)** गलत है और **(R)** सही है।

21. **सूची** - I से **सूची** - II को सुमेलित कीजिए और नीचे दिए गए कूट की सहायता से सही उत्तर दीजिए :

	सूची - I (**लेखक**)		**सूची - II** (**लेखन**)
(a)	श्री अरबिन्द	(i)	फ्रीडम फ्रॉम द नोन
(b)	जे. कृष्णमूर्ति	(ii)	द रिकवरी ऑफ फेथ
(c)	के.सी. भट्टाचार्य	(iii)	स्टडीज इन वेदान्तिज्म
(d)	एस. राधाकृष्णन्	(iv)	सावित्री, ए लीजेन्ड एंड ए सिम्बल

कूट :

	(a)	**(b)**	**(c)**	**(d)**
(1)	(i)	(ii)	(iv)	(iii)
(2)	(iv)	(i)	(iii)	(ii)
(3)	(ii)	(iv)	(i)	(iii)
(4)	(iii)	(i)	(ii)	(iv)

22. अधोलिखित में से कौन श्री अरविन्द की अतिमानसिक चेतना की तीन अवस्थाओं की अवधारणा के साथ सुमेलित **नहीं** है?

(1) अन्तर्दृष्टी चेतना
(2) अभिमुखदृष्टी चेतना
(3) विश्लेषणात्मक चेतना
(4) प्रक्षेपणात्मक चेतना

23. Who among the following has addressed supreme reality as 'Jeevana Devatā' ?

(1) Sri Aurobindo (2) S. Radhakrishnan

(3) B.R. Ambedkar (4) R.N. Tagore

24. Who among the following has said that 'It is better that mankind should become atheist by following reason than blindly believe in two million of gods' ?

(1) Gandhi (2) Tagore (3) Vivekananda (4) Ambedkar

25. Given below are an **Assertion (A)** and a **Reason (R)**. Consider them and select the correct code given below in the context of K.C. Bhattacharya :

Assertion (A) : Judgements of Philosophy are Pseudo Judgements.

Reason (R) : In all Judgements Predicate is Contained in the Subject

Code :

(1) Both **(A)** and **(R)** are true and **(R)** is the correct explanation of **(A)**

(2) Both **(A)** and **(R)** are true but **(R)** is not the correct explanation of **(A)**

(3) **(A)** is true but **(R)** is false

(4) **(A)** is false but **(R)** is true

26. Who among the following holds the view that : 'Divine knowledge is creational, and as there is nothing outside God. He himself is the object of his knowledge. He creates as he knows, and knows as he creates.

(1) Tagore (2) Vivekananda

(3) K.C. Bhattacharya (4) Iqbal

27. Match **List - I** with **List - II** and choose the **correct** answer with the help of code given below :

List - I (Thinker)	**List - II (Thought)**
(a) S. Radhakrishnan	(i) What is spoken must be in the first instance believed
(b) Vivekananda	(ii) The destiny of the human soul is to realise its oneness with the Supreme
(c) K.C. Bhattacharya	(iii) The infinite and finite are one as song and singing are one
(d) Tagore	(iv) Immortality is the realisation of oneness with everything

Code :

	(a)	**(b)**	**(c)**	**(d)**
(1)	(i)	(ii)	(iv)	(iii)
(2)	(ii)	(iv)	(iii)	(i)
(3)	(iv)	(ii)	(i)	(iii)
(4)	(ii)	(iv)	(i)	(iii)

23. निम्नलिखित में से किसने परमसत् को 'जीवन देवता' के रूप में सम्बोधित किया है ?

(1) श्री अरविन्द (2) एस. राधाकृष्णन्

(3) बी.आर. अम्बेडकर (4) आर.एन. टैगोर

24. निम्नलिखित में से किसने कहा है कि 'मानव के लिए दो मिलियन ईश्वरों में अंधविश्वास करने की अपेक्षा तर्क का अनुसरण करके नास्तिक बनना श्रेयस्कर है' ?

(1) गांधी (2) टैगोर (3) विवेकानंद (4) अम्बेडकर

25. नीचे **अभिकथन** (A) और **तर्क** (R) दिए गए हैं। उन पर विचार कीजिए और के.सी. भट्टाचार्य के संदर्भ में नीचे दिए गए सही कूट को चुनिए।

अभिकथन (A) : दर्शन के निर्णय छद्म निर्णय हैं।

तर्क (R) : सभी दार्शनिक निर्णयों में विधेय उद्देश्य में अंतर्नीहित होता है।

कूट :

(1) **(A)** और **(R)** दोनों सही हैं और **(R), (A)** की सही व्याख्या है।

(2) **(A)** और **(R)** दोनों सही हैं किन्तु **(R), (A)** की सही व्याख्या नहीं है।

(3) **(A)** सही है किन्तु **(R)** गलत है।

(4) **(A)** गलत है किन्तु **(R)** सही है।

26. निम्नलिखित में से किसका यह विचार है कि : दैवी ज्ञान सृजनात्मक है, क्योंकि कुछ भी ईश्वर-बाह्य नहीं है। वह स्वयं अपने ज्ञान का विषय है। वह जैसा जानता है, सृजन करता है, और जैसा सृजन करता है, जानता है।

(1) टैगोर (2) विवेकानंद (3) के.सी. भट्टाचार्य (4) इक़बाल

27. **सूची** - I और **सूची** - II को सुमेलित कीजिए और नीचे दिए गए कूट की सहायता से सही उत्तर चुनिए :

सूची - I (चिन्तक)	**सूची - II (चिन्तन)**
(a) एस. राधाकृष्णन्	(i) जो कहा जाए उसे प्रथमत: विश्वास योग्य होना चाहिए।
(b) विवेकानंद	(ii) मानव आत्मा की नियति सर्वशक्तिमान के साथ एकात्मता की अनुभूति होना चाहिए।
(c) के.सी. भट्टाचार्य	(iii) असीम और ससीम उसी प्रकार एक हैं जिस प्रकार गायक और उसका गायन
(d) टैगोर	(iv) अमरत्व प्रत्येक वस्तु के साथ एकात्मता की अनुभूति में हैं।

कूट :

	(a)	**(b)**	**(c)**	**(d)**
(1)	(i)	(ii)	(iv)	(iii)
(2)	(ii)	(iv)	(iii)	(i)
(3)	(iv)	(ii)	(i)	(iii)
(4)	(ii)	(iv)	(i)	(iii)

28. According to the *ex nihilo* theory of St. Augustine ;

(1) God created the world out of the existent

(2) God created the world out of nothing

(3) God created the evil out of something

(4) God created himself out of nothing

29. ''If there are no individual circular things ; there would be no such thing as the form called circularity'', can be attributed to ;

(1) Socrates (2) Plato (3) Aristotle (4) St. Augustine

30. Consider the following statements in the light of Plato's metaphysics and mark the correct code :

(a) What is truly real is not the objects we encounter in sensory experience

(b) Forms can only be grasped intellectually

(c) Forms are just ideas or concepts in the mind of some one

Code :

(1) Only (a) is true

(2) Only (a) and (b) are true

(3) Only (a) and (c) are true

(4) All (a), (b) and (c) are true

31. Who among the following holds the view that ''Things are things because they can be ennumerated'' ?

(1) Pythagoras (2) Anaximander

(3) Heraclitus (4) Parmenides

32. Given below are **Assertion (A)** and **Reason (R)**. Consider them in the light of Thomas Aquinas and mark the correct code :

Assertion (A) : God is the uncaused cause of the world.

Reason (R) : Anything that begins to exist has to be caused to exist by something that already exists.

Code :

(1) Both **(A)** and **(R)** are true and **(R)** is the correct explanation of **(A)**.

(2) Both **(A)** and **(R)** are true and **(R)** is not the correct explanation of **(A)**.

(3) **(A)** is true and **(R)** is false.

(4) **(A)** is false and **(R)** is true.

28. संत ऑगस्टीन के *अभाव* के सिद्धान्त के अनुसार :

(1) ईश्वर ने सत् में से जगत की रचना की

(2) ईश्वर ने अभाव में से जगत की रचना की

(3) ईश्वर ने भाव में से अशुभ की रचना की

(4) ईश्वर ने अभाव से स्वयं की रचना की

29. ''यदि कोई वैयक्तिक चक्रक पदार्थ नहीं हैं; तो ऐसा कोई भी पदार्थ नहीं होगा जिसके स्वरूप को चक्रीय कहा जाए,'' किसे मान्य है :

(1) सुकरात (2) प्लेटो (3) अरस्तू (4) संत ऑगस्टीन

30. प्लेटो की तत्त्वमीमांसा के आलोक में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए और सही कूट को चिन्हित कीजिये :

(a) जिन वस्तुओं का हम संवेदी अनुभव में सामना करते हैं वे सत्यात्मक तथ्य नहीं है।

(b) आकार को केवल बौद्धिक रूप से समझा जा सकता है।

(c) आकार किसी के मन के प्रत्यय या सम्प्रत्यय हैं।

कूट :

(1) केवल (a) सही है।

(2) केवल (a) और (b) सही हैं।

(3) केवल (a) और (c) सही हैं।

(4) (a), (b) और (c) सभी सही हैं।

31. निम्नलिखित में से किसका यह विचार है कि ''पदार्थ, पदार्थ हैं क्योंकि उनकी गणना की जा सकती हैं''?

(1) पाइथागोरस (2) एनेक्जिमेन्डर (3) हेरेक्लाइट्स (4) पार्मेनाइडीज़

32. नीचे **अभिकथन** (A) और **तर्क** (R) दिए गए हैं। थॉमस एक्विनॉस के आलोक में उन पर विचार कीजिए और सही कूट पर चिन्ह लगाइये।

अभिकथन (A) : ईश्वर जगत का कारण-रहित कारण है।

तर्क (R) : कोई वस्तु जिसका अस्तित्व है, उसके अस्तित्व के कारण का अस्तित्व पहले विद्यमान होगा।

कूट :

(1) **(A)** और **(R)** दोनों सही हैं और **(R), (A)** की सही व्याख्या है।

(2) **(A)** और **(R)** दोनों सही हैं और **(R), (A)** की सही व्याख्या नहीं है।

(3) **(A)** सही है और **(R)** गलत है।

(4) **(A)** गलत है और **(R)** सही है।

33. Which one of the following early Greek Philosophers held that ;
''You can not know what is not, nor can you express it. What can be thought of and what can be - they are the same''.

(1) Parmenides (2) Heraclitus
(3) Empedocles (4) Democritus

34. Match **List - I** with **List - II** and choose the **correct** answer with the help of code given below :

	List - I		**List - II**
(a)	Anaximenes	(i)	*Nous*
(b)	Anaximander	(ii)	*Air*
(c)	Thales	(iii)	*Apeiron*
(d)	Anaxagoras	(iv)	*Water*

Code :

	(a)	**(b)**	**(c)**	**(d)**
(1)	(iii)	(ii)	(i)	(iv)
(2)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)
(3)	(i)	(iv)	(iii)	(ii)
(4)	(iv)	(i)	(ii)	(iii)

35. Which of the following sequence correctly represent the successive stages of the Absolute mind according to Hegel ?

(1) imagination, intuition, conception (2) religion, psychology, philosophy
(3) art, religion, philosophy (4) religion, art, philosophy

36. In the light of Kant's philosophy, match **List - I** with **List - II** and choose the **correct** answer with the help of code given below :

	List - I		**List - II**
(a)	The Problematical Judgement	(i)	Heat is a form of motion
(b)	The Infinite Judgement	(ii)	This may be poison
(c)	The Apodictic Judgement	(iii)	Mind is unextended
(d)	The Affirmative Judgement	(iv)	Every effect must have a cause

Code :

	(a)	**(b)**	**(c)**	**(d)**
(1)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(2)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)
(3)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)
(4)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)

33. निम्नलिखित प्रारम्भिक ग्रीक दार्शनिकों में से किसका विचार है कि :

''जो नहीं है उसे आप जान नहीं सकते और न ही अभिव्यक्त किया जा सकता है, जिसका विचार किया जा सकता है और जो हो सकता है – वे समान हैं।''

(1) पार्मेनाइडीज़ (2) हेरेक्लाइटस (3) एम्पेडोक्लीज़ (4) डेमोक्रीटस

34. **सूची - I** और **सूची - II** को सुमेलित कीजिए और नीचे दिए गए कूट की सहायता से सही उत्तर चुनिए :

	सूची - I		**सूची - II**
(a)	एनेक्जिमेनीज़	(i)	नाउस
(b)	एनेक्जिमेन्डर	(ii)	वायु
(c)	थेलीज़	(iii)	एपीरॉन
(d)	एनेक्जेगोरस	(iv)	जल

कूट :

	(a)	**(b)**	**(c)**	**(d)**
(1)	(iii)	(ii)	(i)	(iv)
(2)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)
(3)	(i)	(iv)	(iii)	(ii)
(4)	(iv)	(i)	(ii)	(iii)

35. निम्नलिखित कौन सा क्रम हीगेल के अनुसार 'निरपेक्ष मनस्' के अनुक्रमिक चरणों का सही प्रतिनिधित्व करता है?

(1) कल्पना, अंतर्बोध, अवधारणा (2) धर्म, मनोविज्ञान, दर्शन

(3) कला, धर्म, दर्शन (4) धर्म, कला, दर्शन

36. कान्ट के दर्शन के आलोक में **सूची - I** से **सूची - II** को सुमेलित कीजिए और नीचे दिए गए कूट की सहायता से सही उत्तर चुनिए :

	सूची - I		**सूची - II**
(a)	समस्यापरक निर्णय	(i)	ताप गति का रूप है।
(b)	अनन्त निर्णय	(ii)	यह विष हो सकता है।
(c)	अकाट्य निर्णय	(iii)	मनस अविस्तारित है।
(d)	स्वीकारात्मक निर्णय	(iv)	प्रत्येक कार्य का कारण है।

कूट :

	(a)	**(b)**	**(c)**	**(d)**
(1)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(2)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)
(3)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)
(4)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)

37. In the light of Heidegger's thought match the following **List - I** with **List - II** and choose the **correct** answer with the help of code given below :

List - I		**List - II**	
(a)	Phenomenon	(i)	Possibility
(b)	Fear	(ii)	That which reveals itself
(c)	Ready - to - hand	(iii)	A mode of man's being
(d)	Existenz	(iv)	Circumspection

Code :

	(a)	**(b)**	**(c)**	**(d)**
(1)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(2)	(iii)	(ii)	(i)	(iv)
(3)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)
(4)	(i)	(iv)	(iii)	(ii)

38. Given below are **Assertion (A)** and **Reason (R)**. Consider them and select the correct code :

Assertion (A) : According to Gilbert Ryle, to say of someone that '*x*' is intelligent implies

Reason (R) : (i) It is an assertion about *x*'s mind

(ii) It is our knowledge of *x*'s public performance

Code :

(1) Both **(A)** and **(R) (i), (ii)** are true and **(R) (i), (ii)** both are correct explanations of **(A)**

(2) **(A)** and **(R)** are true but **(R) (i)** only is the correct explanation of **(A)**

(3) **(A)** and **(R)** are true but **(R) (ii)** only is the correct explanation of **(A)**

(4) Both **(A) and (R)** are false and **(R) (i), (ii)** is not a correct explanation of **(A)**

39. Which of the following statement is **incorrect** in the context of Nietzsche :

(1) Slave morality settles for the imaginary revenge of the after life

(2) Slave morality is inauthentic because it is always a reaction, never originating impulse

(3) Slave morality immediately says yes to what comes from outside, to what is different, to what is not oneself

(4) Slave morality is a morality of resignation, deferment and prohibition

40. In the light of William James, which of the following is **not** a correct statement ?

(1) Life demands a response -''forced options''

(2) False ideas are those that we cannot verify

(3) Theories are only man - made language, in which we write our reports of nature

(4) True ideas cannot be validated

37. हाइडेगर के दर्शन के आलोक में निम्नलिखित **सूची - I** और **सूची - II** को सुमेलित कीजिए तथा नीचे दिए गए कूट की सहायता से सही उत्तर चुनिए :

	सूची - I		**सूची - II**
(a)	फेनॉमेनॉ	(i)	संभाव्यता
(b)	भय	(ii)	जो स्वयं को प्रकट करता है
(c)	रेडी-टू-हैंड	(iii)	मानवीय अस्तित्व का प्रकार
(d)	एग्जिस्टेन्ज़	(iv)	सावधानी

कूट :

	(a)	**(b)**	**(c)**	**(d)**
(1)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(2)	(iii)	(ii)	(i)	(iv)
(3)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)
(4)	(i)	(iv)	(iii)	(ii)

38. नीचे **अभिकथन** (A) और **तर्क** (R) दिए गए हैं। उन पर विचार कीजिए और सही कूट चुनिए।

अभिकथन (A) : गिल्बर्ट राइल के अनुसार किसी के बारे में कहना कि 'x' बुद्धिमान है, से अभिप्राय है कि

तर्क (R) : (i) यह 'x' के मनस् के बारे में एक अभिकथन है।

(ii) यह 'x' के सार्वजनिक कार्य-निष्पादन के बारे में हमारा ज्ञान है।

कूट :

(1) **(A)** और **(R) (i), (ii)** सही हैं और **(R) (i), (ii)** दोनों **(A)** की सही व्याख्या हैं।

(2) **(A)** और **(R)** सही हैं किन्तु केवल **(R) (i), (A)** की सही व्याख्या है।

(3) **(A)** और **(R)** सही हैं किन्तु केवल **(R) (ii), (A)** की सही व्याख्या है।

(4) **(A)** और **(R)** गलत हैं और **(R) (i), (ii), (A)** की सही व्याख्या नहीं है।

39. नीत्शे के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सही **नहीं** है?

(1) जीवनोपरान्त काल्पनिक प्रतिशोध में दास नैतिकता व्यवस्थित हो जाती है।

(2) दास नैतिकता प्रामाणिक नहीं है क्योंकि यह हमेशा एक प्रतिशोध है, मूल आवेग नहीं।

(3) दास नैतिकता जो बाहर से आये हुए को या जो भिन्न है, या जो स्वयं का नहीं है, को तात्कालिक रूप से स्वीकार कर लेती है।

(4) दास नैतिकता त्याग, विलम्बन एवं निषेध की नैतिकता है।

40. विलियम जेम्स के आलोक में, निम्नलिखित में से कौन सही कथन **नहीं** है?

(1) जीवन उत्तरापेक्षी है - ''अनिवार्य विकल्प''

(2) मिथ्या प्रत्यय वे हैं जिनका सत्यापन हम नहीं कर सकते।

(3) सिद्धान्त केवल मानव-निर्मित भाषा हैं जिसमें हम प्रकृति की आख्या लिखते हैं।

(4) सत्य प्रत्ययों की वैधता स्थापित नहीं की जा सकती है।

41. Phenomenology, according to Husserl, rests upon which of the following radical conviction ?

(1) Meaning is in the mind alone

(2) Meaning is in the world alone

(3) Meaning is neither in the mind nor in the world

(4) Meaning is in the intentional relationship between the mind and the world

42. Given below are **Assertion (A)** and **Reason (R)**. Consider them and select the **correct** code :

Assertion (A) : According to Kant, though we cannot directly experience Noumena, a special class of Transcendental Ideas bridges the gap between the Phenomenal and Noumenal Worlds

Reason (R) : (i) Ideas are called Transcendental because they are products of reason alone and not the result of the mind's interaction with sensation

(ii) They 'Unify' or 'make possible' having experience in the first place.

Code :

(1) Both **(A)** and **(R) (i), (ii)** are true and **(R)** is the correct explanation of **(A)**

(2) **(A)** and **(R) (i)** are true and **(R) (i)** is the only correct explanation of **(A)**

(3) **(A)** and **(R) (ii)** are true and **(R) (ii)** alone is the correct explanation of **(A)**

(4) Both **(A)** and **(R) (i), (ii)** are false and **(R)** does not provide a correct explanation of **(A)**

43. Match **List - I** with **List - II** and mark the **correct** code from given below :

	List - I		**List - II**
(a)	Epoche	(i)	The intending consciousness
(b)	Eidos	(ii)	Suspension of the empirical and metaphysical presupposition
(c)	Intuition	(iii)	The invariant structure
(d)	Noesis	(iv)	An active repossession of the passive play of possibilities, reuniting them in a single grasp

Code :

	(a)	**(b)**	**(c)**	**(d)**
(1)	(iv)	(i)	(ii)	(iii)
(2)	(iii)	(ii)	(iv)	(i)
(3)	(i)	(iv)	(iii)	(ii)
(4)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)

41. हुसर्ल के अनुसार फेनॉमिनॉलॉजी निम्नलिखित में से किस दृढ़ विश्वास पर निर्भर है?

(1) अर्थ केवल मनस् में होता है।

(2) अर्थ केवल जगत में होता है।

(3) अर्थ न तो मनस में है और न ही जगत में

(4) अर्थ मनस और जगत के बीच साभिप्राय संबंध में होता है।

42. नीचे **अभिकथन** (A) और **तर्क** (R) दिए गए हैं। उनपर विचार कीजिए और **सही** कूट चुनिए।

अभिकथन (A) : कान्ट के अनुसार, यद्यपि हम प्रत्यक्षत: परमार्थ का अनुभव नहीं कर सकते, अतींद्रिय-प्रत्यय की विशेष श्रेणी फेनॉमिनॉ और नॉमेनॉ, के बीच सेतु का कार्य करती है।

तर्क (R) : (i) प्रत्ययों को अतींद्रिय कहा जाता है क्योंकि वे केवल तर्क बुद्धि की उपज होते हैं और न कि मनस् की संवेदन के साथ अन्तर्क्रिया का परिणाम है।

(ii) वे सर्वप्रथम अनुभव से 'एकीकृत कर देते है' या 'संभव बना देते हैं'।

कूट :

(1) **(A)** और **(R) (i), (ii)** दोनों सही हैं और **(R), (A)** की सही व्याख्या है।

(2) **(A)** और **(R) (i)** सही हैं और केवल **(R) (i), (A)** की सही व्याख्या है।

(3) **(A)** और **(R) (ii)** सही हैं और केवल **(R) (ii), (A)** की सही व्याख्या है।

(4) **(A)** और **(R) (i), (ii)** दोनों गलत हैं और **(R), (A)** की सही व्याख्या नहीं प्रदान करता है।

43. **सूची** - I और **सूची** - II को सुमेलित कीजिए और निम्नलिखित में से सही कूट चिन्हित कीजिए :

	सूची - I		**सूची - II**
(a)	इपॉकी	(i)	विषयापेक्षी चेतना
(b)	आइडॉस	(ii)	आनुभविक और तत्वमीमांसीय प्राक्कल्पनाओं का स्थगन
(c)	अंतर्बोध	(iii)	अपरिवर्ती संरचना
(d)	नोएसिस	(iv)	निष्क्रिय संभावनाओं का सक्रिय पुन:स्वामित्व और एक ही बार में उनका पुनरेकीकरण करना।

कूट :

	(a)	**(b)**	**(c)**	**(d)**
(1)	(iv)	(i)	(ii)	(iii)
(2)	(iii)	(ii)	(iv)	(i)
(3)	(i)	(iv)	(iii)	(ii)
(4)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)

44. Which one of the following code is correct with reference to the thought given below ? Answer considering (a), (b), (c) and (d) :

Thought : ''.... mind and body, extension and thought as two of the many inseparable aspects of a single, all - inclusive reality. Being co - existent attributes of the substance, thought and extension cannot interact''.

(a) Descartes (b) Leibnitz (c) Spinoza (d) Berkeley

Code :

(1) Spinoza (2) Both Berkeley and Descartes

(3) Leibnitz (4) Both Spinoza and Berkeley

45. For Leibnitz, monads are :

(1) Indivisible and Spiritual only

(2) Indivisible and Self - active only

(3) Self-active and material only

(4) Indivisible, Self - active and Spiritual

46. Match **List - I** with **List - II** and choose the **correct** answer by using code given below :

	List - I		**List - II**
(a)	Hume	(i)	The idea of causality is not necessarily connected with uniformity
(b)	Locke	(ii)	God is the real cause of spirits and things
(c)	Berkeley	(iii)	The relation of the soul to the body is of the nature of the pilot and his machine
(d)	Descartes	(iv)	Past experience of constant conjunction.

Code :

	(a)	**(b)**	**(c)**	**(d)**
(1)	(i)	(iii)	(ii)	(iv)
(2)	(iv)	(i)	(ii)	(iii)
(3)	(ii)	(i)	(iii)	(iv)
(4)	(iv)	(i)	(iii)	(ii)

44. नीचे दिए गए चिंतन के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन सा कूट सही है ? (a), (b), (c) और (d) पर विचार करते हुए उत्तर दीजिए :

चिन्तन : " ..... मनस् और शरीर, विस्तार और चिन्तन, एकल सर्वसमावेशी यथार्थ के अनेक अपृथक पहलुओं के दो अंश हैं। द्रव्य के सह-अस्तित्व होने के कारण चिन्तन और विस्तार में अन्तर्क्रिया नहीं हो सकती"।

(a) देकार्त (b) लाइबनिट्ज (c) स्पिनोजा (d) बर्कले

कूट :

(1) स्पिनोजा (2) बर्कले और देकार्त दोनों

(3) लाइबनिट्ज (4) स्पिनोजा और बर्कले दोनों

45. लाइबनिट्ज के लिए चिदणु हैं :

(1) केवल अविभाज्य और आध्यात्मिक (2) केवल अविभाज्य और स्व-क्रियाशील

(3) केवल स्व-क्रियाशील और भौतिक (4) अविभाज्य, स्व-क्रियाशील और आध्यात्मिक

46. **सूची - I** और **सूची - II** को सुमेलित कीजिए और नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर दीजिए :

सूची - I		**सूची - II**	
(a)	ह्यूम	(i)	कारण-कार्य-संबंध का विचार अनिवार्यरूप से एकरूपता से नहीं जुड़ा है।
(b)	लॉक	(ii)	ईश्वर आत्माओं और वस्तुओं का वास्तविक कारण हैं।
(c)	बर्कले	(iii)	आत्मा का शरीर से संबंध पायलट और उसके मशीन के साथ संबंध की तरह का है।
(d)	देकार्त	(iv)	सतत संयोजन का अतीत अनुभव

कूट :

	(a)	**(b)**	**(c)**	**(d)**
(1)	(i)	(iii)	(ii)	(iv)
(2)	(iv)	(i)	(ii)	(iii)
(3)	(ii)	(i)	(iii)	(iv)
(4)	(iv)	(i)	(iii)	(ii)

47. Which one among the following code is acceptable to John Locke ? Answer considering (a), (b), (c) and (d) :

(a) Only Agreement of Ideas is Knowledge

(b) Only Agreement of Sensations is Knowledge

(c) Agreement or Disagreement of Ideas is Knowledge

(d) Agreement or Disagreement of Sensations is Knowledge

Code :

(1) (d) and (c) (2) (d) and (a) (3) (c) and (a) (4) (a) and (b)

48. Which one among the following code is acceptable to Spinoza ? Answer considering (a), (b), (c), (d) :

(a) Nature as a self-creating reality is known as Natura Naturans.

(b) Nature as a self-creating reality is known as Natura Naturata.

(c) In its aspect of a creative product, Nature is known as Natura Naturata.

(d) In its static aspect, Nature is known as Natura Naturans.

Code :

(1) (a) and (b) (2) (a) and (c) (3) (a) and (d) (4) (b) and (d)

49. In the philosophy of Berkeley, all the following statements are true except :

(1) There are no physical objects

(2) What we call objects are only ideas

(3) God creates ideas in us

(4) There are ideas of flying horses

50. Select the **correct** sequence of process of evolution regarding Sri Aurobindo's philosophy :

(1) Widening, Heightening, Integration

(2) Heightening, Widening, Integration

(3) Heightening, Integration, Widening

(4) Integration, Heightening, Widening

- o O o -

47. निम्नलिखित में से कौन-सा कूट जॉन लॉक के लिए स्वीकार्य हैं? (a), (b), (c) और (d) पर विचार कर उत्तर दीजिए :

(a) प्रत्ययों की सहमति ज्ञान है।

(b) संवेदनों की सहमति ज्ञान है।

(c) प्रत्ययों की सहमति या असहमति ज्ञान है।

(d) संवेदनों की सहमति या असहमति ज्ञान है।

कूट :

(1) (d) और (c) (2) (d) और (a) (3) (c) और (a) (4) (a) और (b)

48. निम्नलिखित में से कौन-सा कूट स्पिनोजा के लिए स्वीकार्य है? (a), (b), (c) और (d) पर विचार कर उत्तर दीजिए :

(a) स्वोत्पादक सत्ता के रूप में प्रकृति को नेचुरा नेचुरान्स कहा जाता है।

(b) स्वोत्पादक सत्ता के रूप में प्रकृति को नेचुरा नेचुराटा कहा जाता है।

(c) रचनात्मक उत्पाद के इसके पहलू में प्रकृति को नेचुरा नेचुराटा कहा जाता है।

(d) इसके स्थिर पहलू में प्रकृति को नेचुरा नेचुरान्स के रूप में जाना जाता है।

कूट :

(1) (a) और (b) (2) (a) और (c) (3) (a) और (d) (4) (b) और (d)

49. बर्कले के दर्शन में, निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा सही नहीं है?

(1) भौतिक वस्तुएँ नहीं है।

(2) हम जिन्हें वस्तुएँ कहते हैं वे केवल प्रत्यय हैं।

(3) ईश्वर हममें प्रत्ययों का सृजन करता हैं।

(4) उड़ने वाले अश्वों के प्रत्यय हैं।

50. श्री अरविंद के दर्शन के संबंध में विकास की प्रक्रिया का **सही** क्रम चुनिए :

(1) विस्तारीकरण, उच्चीकरण, समाकलन

(2) उच्चीकरण, विस्तारीकरण, समाकलन

(3) उच्चीकरण, समाकलन, विस्तारीकरण

(4) समाकलन, उच्चीकरण, विस्तारीकरण

- o O o -

Space For Rough Work